संविदा परक समस्याएं निधियों का आभाव आदि इस परियोजना के निर्माण में विलम्ब के मुख्य कारण हैं।

राज्य सड़क परिवहन उपक्रमों को अंशदान

7879. **श्री अनन्तराय देवशंकर दवे:** क्या **जल-भूतल परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या महाराष्ट्र और गुजरात सहित कुछ राज्य सरकारों ने केन्द्रीय सरकार से राज्य सड़क परिवहन उपक्रमों में एक-तिहाई अंशदान करने का आग्रह किया है;

(ख) यदि हां, तो इस पर केन्द्रीय सरकार की क्या प्रतिक्रिया है;

(ग) क्या गत तीन वर्षों के दौरान महाराष्ट्र और गुजरात को कोई अंशदान किया गया है; और

(घ) यदि हां तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर): (क) जी नहीं।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

(ग) और (घ) केन्द्र सरकार ने पिछले तीन वर्षों के दौरान महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम को कोई पूंजीगत अंशदान नहीं किया है। गुजरात राज्य सड़क परिवहन निगम को किया गया अंशदान नीचे दर्शाया गया है:—

वर्ष	राशि (करोड़ रु०)
1991-92	—
1992-93	1.13
1993-94	1.98

सौराष्ट्र-कच्छ क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग पर पार-पथ का निर्माण

7880 **श्री चिमनभाई हरिभाई शुक्ल:** क्या **जल-भूतल परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गुजरात के सौराष्ट्र-कच्छ क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग पर किन-किन स्थानों पर पार पथ के निर्माण का प्रस्ताव है; और

(ख) तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर): (क) गुजरात के सौराष्ट्र-कच्छ क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्गों पर पार पथों के निर्माण का कोई प्रस्ताव नहीं है।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

Offering of Construction of Roads on BOT basis to Private Sector

7881. SHRI VIRENDRA KATARIA: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether Government have recently offered the construction of some by-passes, bridges and expressways on a BOT (Build, Operate and transfer) basis to private sector to encourage foreign and private sector entry in road construction; and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER): (a) and (b) Yes, Sir. However, the broad modalities of the proposal are yet to be finalised.

Operation of Red Line Buses in the Capital

7882. SHRI VIREN J. SHAH:
SHRI PRAMOD MAHAJAN:

Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to a report published in the Indian Express of 22nd May, 1994 under the heading, 'Redlines make their own traffic rules';

(b) if so, what is the number of fatal accidents which took place in Delhi month-wise in 1993 and so far in 1994 with the redline buses and